मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG–003

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र
(सी. बी. के. जी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2025
सी.बी.के.जी.-003 : भारतीय एवं विश्व के विभिन्न कैलेण्डर

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 10 = 30$

   (i) भारतीय पञ्चांग और खगोलशास्त्र में क्या सम्बन्ध है ? उदाहरण सहित लिखिए।

   (ii) भारत के विभिन्न नववर्षों का उल्लेख लिखिए।

   (iii) गैर-भारतीय कैलेण्डरों से जुड़े पर्व-त्यौहारों का वर्णन कीजिए।

(iv) पारसी और फसली कैलेण्डर के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

(v) चान्द्र मास की गणना को छोड़ने से कैलेण्डर में किस प्रकार की त्रुटियाँ रह जाती हैं ? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2. भारतीय पञ्चांग के किन्हीं **दो** प्रमुख संस्मरणों का वर्णन कीजिए। 5
3. भारतीय कालमान के **नौ** प्रकार कौन-कौन से हैं ? 5
4. राष्ट्रीय पञ्चांग के व्यवहार में आने वाली बाधाओं को बताइए। 5
5. क्या माया कैलेण्डर के अनुसार वर्ष 2012 में वास्तव में दुनिया का अन्त होने वाला था ? सकारण वर्णन कीजिए। 5
6. चीन के कैलेण्डर की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। 5
7. फसली कैलेण्डर किसने और क्यों प्रारम्भ किया ? 5
8. केवल चान्द्र मासों पर आधारित संवत् कौन-सा है ? चान्द्र मासों के कम दिनों को समायोजित करने के लिए उसमें क्या सुधार किए जाते हैं ? 5
9. कालगणना पर आधारित किन्हीं **दो** पर्वों का वर्णन कीजिए। 5

× × × × ×